



Ms .muskan

14 Aug 2007

01:52 PM

Baloda Bazar

Model: Lal-Kitab-Report

Order No: 120374901

लाल किताब

बिमारी का बगैर दवाई भी इलाज है, मगर मौत का कोई इलाज नहीं।
ज्योतिष दुनियाबी हिसाब-किताब है, कोई दावाए खुदाई नहीं।

Model: Lal-Kitab-Report

Order No: 120374901

Date: 30/11/2025

लिंग _____: स्त्रीलिंग
जन्म तिथि _____: 14/08/2007
दिन _____: मंगलवार
जन्म समय _____: 13:52:00 घंटे
इष्ट _____: 20:32:52 घटी
स्थान _____: Baloda Bazar
राज्य _____: Chhattisgarh
देश _____: India
अक्षांश _____: 21:40:00 उत्तर
रेखांश _____: 82:10:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:01:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 13:50:40 घंटे
वेलान्तर _____: -00:04:47 घंटे
साम्पातिक काल _____: 11:20:12 घंटे
सूर्योदय _____: 05:38:51 घंटे
सूर्यास्त _____: 18:32:53 घंटे
दिनमान _____: 12:54:03 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल) _____: उत्तर
ऋतु _____: वर्षा
सूर्य के अंश _____: 27:13:31 कर्क
लग्न के अंश _____: 18:13:05 वृश्चिक

दादा का नाम _____:
पिता का नाम _____:
माता का नाम _____:
जाति _____:
गोत्र _____:
चैत्रादि संवत / शक _____: 2064 / 1929
मास _____: श्रावण
पक्ष _____: शुक्ल
सूर्योदय कालीन तिथि _____: 2
तिथि समाप्ति काल _____: 05:49:58
जन्म तिथि _____: 2
सूर्योदय कालीन नक्षत्र _____: मघा
नक्षत्र समाप्ति काल _____: 13:24:59 घंटे
जन्म नक्षत्र _____: पू०फाल्गुनी
सूर्योदय कालीन योग _____: परिघ
योग समाप्ति काल _____: 18:23:04 घंटे
जन्म योग _____: परिघ
सूर्योदय कालीन करण _____: बालव
करण समाप्ति काल _____: 17:18:07 घंटे
जन्म करण _____: बालव
भयात _____: 01:07:33
भभोग _____: 64:22:49
भोग्य दशा काल _____: शुक्र 19 वर्ष 7 मा 23

No

No

917011022815

harish.rattan05@gmail.com

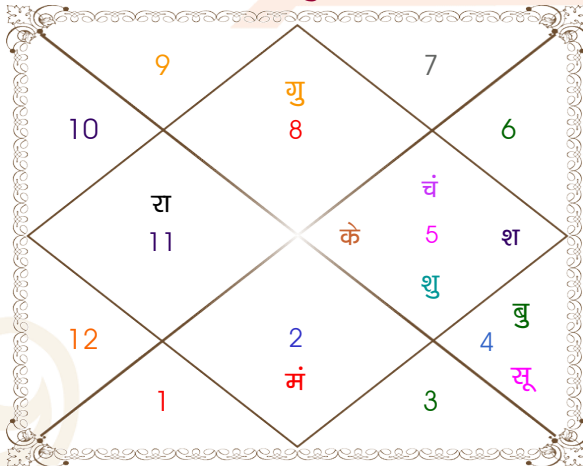
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	राशि	अंश	स्थिति	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
लग्न	वृश्चिक	18:13:05	---	--	--	--	नेक
सूर्य	कर्क	27:13:31	मित्र राशि	--	--	--	नेक
चन्द्र	सिंह	13:34:08	मित्र राशि	हाँ	--	--	मन्दा
मंगल	वृष	10:35:49	सम राशि	--	--	--	नेक
बुध	कर्क	25:38:13	शत्रु राशि	--	--	--	मन्दा
गुरु	वृश्चिक	16:02:44	मित्र राशि	--	--	--	नेक
शुक्र	व सिंह	03:12:16	शत्रु राशि	हाँ	--	--	नेक
शनि	सिंह	03:35:35	शत्रु राशि	हाँ	--	--	नेक
राहु	कुम्भ	13:04:41	मित्र राशि	--	--	हाँ	नेक
केतु	सिंह	13:04:41	शत्रु राशि	हाँ	--	हाँ	मन्दा

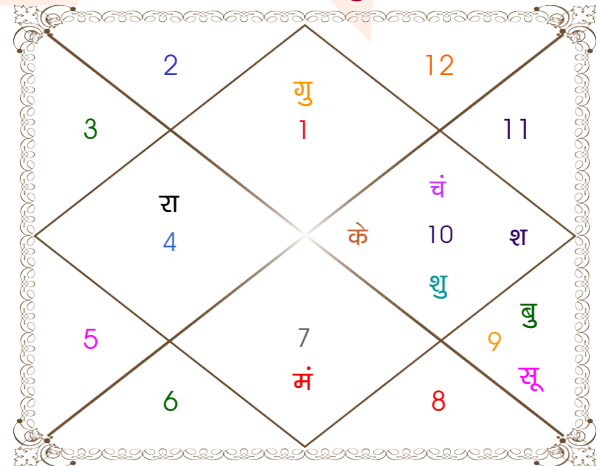
भाव स्थिति

खाना नं.	मालिक	पक्का घर	किस्मत जगानेवाला	सोया	उच्च	नीच
1	मंगल	सूर्य	मंगल	--	सूर्य	शनि
2	शुक्र	गुरु	चंद्र	हाँ	चंद्र	--
3	बुध	मंगल	बुध	हाँ	राहु	केतु
4	चंद्र	चंद्र	चंद्र	--	गुरु	मंगल
5	सूर्य	गुरु	सूर्य	हाँ	--	--
6	बुध	बुध,केतु	केतु	हाँ	बुध,राहु	शुक्र,केतु
7	शुक्र	शुक्र,बुध	शुक्र	--	शनि	सूर्य
8	मंगल	मंगल,शनि	चंद्र	हाँ	--	चंद्र
9	गुरु	गुरु	शनि	--	केतु	राहु
10	शनि	शनि	शनि	--	मंगल	गुरु
11	शनि	शनि	गुरु	हाँ	--	--
12	गुरु	गुरु,राहु	राहु	हाँ	शुक्र,केतु	बुध,राहु

लग्न कुंडली



लालकिताब कुंडली



No

No

917011022815

harish.rattan05@gmail.com

लाल किताब ग्रह फल

सूर्य

आपकी जन्मकुंडली में नौवें खाने में सूर्य है। जिसकी वजह से आप भाग्यवान होंगी। आपको उत्तम वाहन सुख मिलेगा। बड़े परिवार से युक्त रहेंगी। आप परोपकारिणी होंगी। आप अपने सात पुश्तों को तारने वाली होंगी। आप अपने खानदान के लिए पूरा जीवन न्यौछावर कर देंगी। 22वें वर्ष में आपके जीवन पर अच्छा प्रभाव पड़ेगा। माता-पिता की कृपा से राजदरबार में इज्जत मिलेगी। तीर्थ यात्रा करने से आपके जीवन पर अच्छा असर पड़ेगा। आपके परंपरागत काम या सरकारी ठेकेदारी के धंधे से लाभ होगा। आपको माता-पिता/सास-ससुर का अच्छा सुख मिलेगा। आपकी बचपन में परवरिश खानदानी ढंग तथा सुख साधन से होगी। आप खानदान के लिए त्याग करेंगी और आप परोपकारिणी होंगी। आप पोते-पड़पोते के जन्म की खुशियां देखेंगी। पैसे की तंगी नहीं रहेगी। आप दूसरों की बीमारी दूर करने में मदद करेंगी। आपके पिता/ससुर को सरकार पक्ष से लाभ होगा। बहुत बड़े परिवार को पालने का जिम्मा आप पर हो सकता है। धार्मिक कार्यों से तरक्की और कीर्ति मिलेगी। स्वपराक्रम से अपनी किस्मत का सितारा चमकायेंगी। सरकारी विभाग में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा, राजा या राजा तुल्य जीवन होगा, नौकरी-व्यापार में लाभ होगा।

यदि आपकी रसोई में उल्टे या बहुत समय से पुराने खाली बर्तन पड़े रहे, मकान का मुख्य दरवाजा पश्चिम दिशा में हुआ, भाई-बहन से झगड़ा किया तो आपका सूर्य मंदा हो सकता है या किसी कारण वश सूर्य मंदा हो गया हो तो सूर्य के मंदे असर से स्वभाव अति उग्र या अति नम्र स्वभाव रहने से सर्वस्व खोना पड़ सकता है। गिफ्ट/मुफ्त का माल या दान खाने से हर तरफ हानि होगी, यात्रा में कष्ट होगा, बहन-भाई द्वारा विरोध और किस्मत का बुरा असर शुरू हो जायेगा। कई बार आपको नेकी का बदला बुराई में मिल सकता है और जिसके साथ आप संबंध रखेंगी उसी की हानि होगी।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. मुफ्त या दान के माल से दूर रहें।
2. बहुत नर्म या बहुत गर्म स्वभाव न रखें।

उपाय :

1. पीतल के बर्तनों का प्रयोग करें।
2. सूर्य ग्रहण के समय 4 सूखे नारियल जल में प्रवाहित करें।

चन्द्र

आपकी जन्मकुंडली में चंद्रमा दसवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आप कुल की नैया पार लगायेंगी। आपको चीर-फाड़ के या सर्जिकल के सामान से अधिक लाभ होगा। आप

No

No

917011022815

harish.rattan05@gmail.com

चिकित्सक होकर भी डॉक्टर का काम नहीं करेंगी। यदि डाक्टर बन कर डाक्टर का कार्य करती हैं तो अपने पास से दवाई न दें। आपको माता-पिता/सास-ससुर का पूरा सुख मिलेगा। आपके मकान और ससुराल वालों से लाभ मिलेगा। व्यापार में लाभ होगा।

यदि आप डाक्टर हैं और पास से रोगी को लिक्विड दवाई दी, समाज विरोधी कार्य किये, बड़े-बुजुर्गों का अपमान किया, रात के समय अपने मकान की नींव रखी तो आपका चंद्रमा मंदा हो सकता है या किसी कारण वश चंद्रमा मंदा हो गया हो तो चंद्रमा के मंदे असर से आपके प्रेमी या विधुर पुरुषों के कारण धन की बर्बादी होगी। आप अपने जीवन में धोखेबाज और तैरते को पानी में डुबाने वाली होंगी। आपको दुर्घटना का शिकार भी होना पड़ सकता है। किसी भी पुरुष के साथ नाजायज संबंध आपकी बर्बादी का कारण बन सकता है। आपका मां/सास से अच्छा सलूक नहीं रहेगा। दवाई के व्यापार से हानि होगी। आपको चोर-डाकू, जुआरी एवं शराबी लोगों से नुकसान हो सकता है। नौकरी-व्यापार में बार-बार तबदीली का योग है। आपकी माता/सास को 10 वर्ष बीमारी हो सकती है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. चोर-डाकू से संबंध न रखें।
2. सूर्यास्त के बाद दूध न पीयें।

उपाय :

1. दूध को फटा कर दूध का पानी पीयें (खराब सेहत के समय)
2. सूर्यास्त के बाद दूध न पीयें।

मंगल

आपकी जन्मकुंडली में मंगल सातवें पड़ा है। इसकी वजह से आप शाही जीवन बिताएंगी, आपको भाई से लाभ मिलेगा। आपके संतान की वृद्धि होगी। हर प्रकार का सुख प्राप्त होगा। परिजनों से सहायता मिलेगी। पति का पूर्ण सुख प्राप्त होगा। आप धर्मात्मा, नेकनामी और वक्त मुसीबत में रोते को सहारा देने वाली होंगी। रोते हुए को हंसाना आप में एक विशेष गुण होगा। आप इन्साफ पसंद महिला होंगी। ज्योतिष विद्या में रुचि रहेगी। आपकी सरकारी विभाग में नौकरी हुई तो आपका रुतबा बढ़ेगा। आप विदेश की यात्रा करेंगी। पार्टनरशिप का धंधा भी ठीक रहेगा। आप जो भी चाहेंगी, एक बार अवश्य ही मिलेगा। मगर बार-बार मिलने की उम्मीद नहीं है। आप विष्णु भगवान की तरह खानदान की परिवरिश करती रहेंगी। आपको जज या सरपंच या ऐसा अधिकार प्राप्त होगा जिसमें सच्चाई ढूंढना और इन्साफ करना होता है।

यदि आपने लोगों से झगड़ा-फसाद किया, परपुरुष से अनैतिक संबंध रखे, बेटी पैदा होने के बाद आपका मंगल मंदा हो सकता है या किसी कारण वश मंगल मंदा हो गया हो तो मंगल के मंदे असर से आप अपने साथ विधवा ननद-बहन को पास नहीं रखें जीवन का

फल अशुभ होगा। एक से अधिक या कई पुरुषों से आपका संबंध रहना हानिकारक है। परपुरुष के संबंध से आपकी आयु अल्प हो सकती है। आपको रक्त संबंधी दोष हो सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. चाल-चलन ठीक रखें।
2. घर में बेलदार पौधे न लगावें।

उपाय :

1. भाई-बेटे को मीठा या मिठाई दें।
2. भतीजा-भतीजी की सेवा करें।

बुध

आपकी कुंडली में नौवे घर में बुध पड़ा है। इसकी वजह से संगीत या ज्योतिष में रुचि हो सकती है। आप परिवार का भरण-पोषण करती रहेंगी। आपको अपना भाग्य बनाने में अधिक समय लगेगा। धन-दौलत में बरकत होने में समय लगेगा फिर भी आप खुश रहेंगी। आपके काम-धन्धे पर तथा राजदरबार में आपका अच्छा असर रहेगा। जन्मस्थान से दूर विदेश तक की यात्रा करनी पड़ सकती है परंतु विदेश प्रवास का फल भी अच्छा या अनुकूल रहेगा।

यदि आपके घर में गाने-बजाने का सामान और रेडियो-घड़ियां आदि खराब पड़े होंगे, जुबान में तोतलापन, हरे रंग की चीजें अधिक होंगी या साधू-महात्मा आदि से ताबीज लेकर रखा तो आपका बुध मंदा हो सकता है या किसी कारण वश बुध मंदा हो गया हो तो बुध के मंदे असर से आपके काम से आपके पिता/ससुर की बदनामी हो सकती है। धोखेबाजी से कदम-कदम पर मुसीबतें खड़ी हो सकती हैं। गृहस्थ जीवन और औलाद से संबंध में खराबियां पैदा होंगी। मुसीबतों का सामना करना पड़ सकता है। अधर्म के कार्य करेंगी तो भाग्य में भी रुकावटें आती रहेंगी। जीवन में उत्थान-पतन से तंग आ जाएंगी। जीवन के हालात से तंग आकर साध्वी बनने की इच्छा होगी परंतु साध्वी बनना अच्छा नहीं होगा। आप पिता/ससुर के लिए मनहूस रहेंगी। पिता/ससुर के सुख का अभाव हो सकता है। आप अपने पिता/ससुर की आयु पर भारी हैं। पिता/ससुर के नौकरी-व्यापार में बाधा हो सकती है। जलील और खराब काम करना पड़ सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. जल-भभुतिया, धागे-ताबीज आदि न रखें।
2. मकान की सीढ़ियां गिरा कर दुबारा न बनायें बल्कि उसकी मरम्मत करें।

उपाय :

No

No

917011022815

harish.rattan05@gmail.com

1. गऊ ग्रास दें।
2. लोहे की गोली पर लाल रंग करके पास रखें।

गुरु

आपकी कुंडली में वृहस्पति पहले खाने में पड़ा है। जिसकी वजह से आप एक पढ़ी-लिखी या उपदेशिका या गुरु भी हो सकती हैं। आप विद्वान, अच्छी बुद्धि की संतान युक्त, शासन द्वारा सम्मान पाने वाली बड़प्पन से युक्त होंगी। विद्या के माध्यम से अपनी आजीविका चलाएंगी। पैतृक/ससुराल धन से भी धनी होंगी। यदि आपकी शिक्षा कम भी होगी तो भी आपको धन प्राप्त होता रहेगा। आप पैसे की वजह से नहीं, करामाती गुण से सम्मान पाएंगी। आप ऊंचे लोगों के साथ रह कर अपनी दिमागी शक्ति और राजदरबार से संबंधित रह कर, सम्मान प्राप्त करेंगी। शादी के बाद आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी हो जाएगी और भाग्योदय होगा। आप अपनी कमाई से नया मकान बनवाएंगी। आपको बहुत जायदाद का लाभ होगा। आप स्वस्थ और प्रसन्न रहेंगी। उम्र बढ़ने के साथ-साथ सुख में भी वृद्धि होगी। आपके पति आपके आज्ञाकारी और सेवक रहेंगे।

यदि आपने विद्या अधूरी छोड़ दी, लोगों की व्यर्थ निंदा की, मुफ्त माल या दान आदि से जीवन व्यतीत करना शुरू किया, छोटी आयु में शराब-बीयर पीना शुरू कर दिया तो आपका वृहस्पति मंदा हो सकता है या किसी कारण वश वृहस्पति मंदा हो गया हो तो वृहस्पति के मंदे असर से अप्रत्याशित घटनाओं एवं अव्यवस्था से सतर्क रहें। विद्या में रुकावट, आपके पिता/ससुर की मौत दमा या दिल की बीमारी या मानसिक रोग से हो ऐसी आशंका है। आपको श्वास या दमे की बीमारी होगी। प्रथम पुत्र संतान की प्राप्ति से अशुभ फल प्राप्त होने की आशंका है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. मुफ्त माल गिफ्ट या दान न लें।
2. किस्मत पर भरोसा रखें।

उपाय :

1. केसर/हल्दी का तिलक करें।
2. बुजुर्गों का आशीर्वाद लें।
3. विद्या बी. ए. या समकक्ष जरूर पढ़ें।

शुक्र

आपकी जन्मकुंडली के दसवें खाने में शुक्र पड़ा है। इसकी वजह से आप लोभी और शक्की होंगी। आप दस्तकारी के कामों में रुचि लेंगी। आप शक्ति संपन्न होंगी। आप कामुक होंगी। आप कामवासना के आधीन रहेंगी। आपकी सेहत अच्छी रहेगी। आप

No

No

917011022815

harish.rattan05@gmail.com

बाग-बगीचों की मालकिन होंगी। आप अपने जीवन में दुर्घटना की शिकार नहीं होंगी। आपको अच्छा धन प्राप्त होगा। बुढ़ापा आराम से बीतेगा। आपका स्वास्थ्य ठीक रहेगा। आपकी जवानी प्रेम संबंधों में उलझी रहेगी। आपकी चालाकी, शैतानी और होशियारी की अधिकता से अधिक लाभ, आंशिक क्षति भी हो सकती है। आपके पति का स्वास्थ्य लगभग ठीक रहेगा। पति के साथ रहते आपके साथ कभी भी कोई हादसा नहीं होगा।

यदि आपने शराब, बीयर आदि पीना और मांस खाना शुरू किया, मछली का शिकार किया, पति पर अधिक विश्वास किया तो आपका शुक्र मंदा हो सकता है या किसी कारण वश शुक्र मंदा हो गया हो तो शुक्र के मंदे असर से आपको पति से दब कर रहना होगा। पराये पुरुष से संबंध रहने से संतान को दुःख पहुंचेगा। संतान सुख के लिए जीवन में बाधा आ सकती है। विवाह के 13 वर्ष बाद पति बीमार हो सकते हैं या पति अस्वस्थ रहेंगे जिसके कारण आपको दुःख भी झेलने पड़ सकते हैं। आपको पेशाब की बीमारी हो सकती है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. शराब-मछली का सेवन न करें।
2. महबूबा मिजाज न बनें।

उपाय :

1. कपिला गाय का दान करें।
2. पति शरीर पर दूध-दही मल कर स्नान करें।

शनि

आपकी जन्मकुंडली के दसवें खाने में शनि पड़ा है। जिसकी वजह से आप महत्वाकांक्षी होंगी। सरकार द्वारा लाभान्वित होंगी। आप दूसरों का सम्मान करेंगी तो आप भी सम्मानित होंगी। आयु के हर सातवें वर्ष में आपके धन में वृद्धि होगी। आयु का हर तीसरा वर्ष आपके लिए फायदेमंद रहेगा। सवारी का अच्छा फल मिलेगा। ससुराल पक्ष के धन में वृद्धि होगी। आप धर्मात्मा तो होंगी परंतु बुढ़ापे में आप निकम्मी हो जाएंगी। आप एक ही जगह पर स्थायी कार्य करेंगी तो अच्छा लाभ होगा। आप परिश्रमी और अपने हाथ से अपना भाग्य बनायेंगी। 39 वर्ष की आयु तक पिता/ससुर का उत्तम सुख प्राप्त होगा। आपके जीवन का 3रा, 5वां, 9वां, 21वां 33वां, 40वां एवं 57वां वर्ष में 10 गुणा तरक्की, इज्जत और धन-दौलत के लिए लाभदायक समय होगा।

यदि आपने 48 वर्ष की आयु से पहले मकान बनाया, शराब-मछली का सेवन किया, चाल-चलन खराब किया, इधर-उधर भाग दौड़ करने वाली नौकरी या व्यापार किया तो आपका शनि मंदा हो सकता है या किसी कारण वश शनि मंदा हो गया हो तो शनि के मंदे असर से यदि आप शराब सेवन नहीं करें तो निश्चय ही आपके भाग्य में उन्नति होगी। आपसे किसी की मृत्यु, आग्नेय शस्त्र या हथियार से हो ऐसी आशंका है। पति के लिए कष्टकारक

रहेगा। आपके गृहस्थ और ससुराल के लोग कष्ट में रहेंगे, माता-पिता/सास-ससुर को कष्टकारी। शराब-मछली के सेवन से तरक्की-अवनति में बदलती रहेगी या बहुत हानि होगी। धन-सम्मान मिट्टी में मिल जाये, ऐसी शंका है। आपके जीवन का 27वां वर्ष हानिकारक हो सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. मादक चीजों-द्रव्यों और शराब-मछली का सेवन न करें।
2. भाग-दौड़ के काम न करें।

उपाय :

1. हथियार पास न रखें।
2. सिर के बाल न कटवायें या केसर का तिलक करें।

राहु

आपकी जन्मकुंडली में राहु चौथे खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आप सर्वगुण संपन्न, धनवान, और आयुवान होंगी। आप तीर्थ यात्रा करेंगी। आप एक भद्र महिला होंगी तथा अपना जीवन सुख से बितायेंगी। आप अपार धन-संपत्ति की मालकिन बनेंगी। आपको अपने सगे संबंधियों से भी धन-दौलत प्राप्त होगा। आप दूसरों की भलाई करेंगी आप भली महिलाओं की गिनती में गिनी जाएंगी। आप धर्मात्मा, वाहन सुख से युक्त होंगी। आप अपनी बहन और पुत्री पर धन खर्च करेंगी। आपको ससुराल से भी धनागम होता रहेगा। आपको सरकार पक्ष से पूरा लाभ होगा तथा अपने बुजुर्गों का घर भर देंगी। ससुराल में भी धन की वृद्धि होगी। आप के पास 24 वर्ष की उम्र के बाद धन एकत्र होगा, गरीबी दूर हो जाएगी और धन की वर्षा होगी। आपके पिता/ससुर और आपके पुत्र पर अच्छा असर पड़ेगा परंतु माता/सास के लिए अशुभ होगा। आपके पास भूमि, भवन, वाहन सभी प्रकार के सुख के साधन उपलब्ध होंगे। यदि आप सरकारी महकमे में कार्यरत होंगी तो सरकारी महकमे में बड़ी अफसर होकर अच्छा ओहदा प्राप्त करेंगी। आप जन्म भर सुखी रहेंगी। बंदूक-पिस्तौल आदि रखने का शौक होगा।

यदि आपने पाखाने की जगह बदली, घर की छत पर लकड़ी के कोयले रखे, सीढ़ियों के नीचे रसोई बनाई, पिता की आयु के पुरुषों से संबंध रखे तो आपका राहु मंदा हो सकता है या किसी कारण वश राहु मंदा हो गया हो तो राहु के मंदे असर से आपके जीवन का 34वां वर्ष कष्टकारी होगा। माता/सास को कष्ट की आशंका है। आप माता/सास का विरोध करेंगी। ससुराल-ननिहाल के लिये अशुभ रहेगा, राजदरबार में हानि, दो विवाह योग या पति के साथ परपुरुष से संबंध रहे, ऐसी शंका है। पर पुरुष पर धन बर्बाद करके अपना जीवन नष्ट कर लेंगी। आपको वाहन दुर्घटना का भय रहेगा। दिन में स्वप्न देखने वाली होंगी।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

No

No

917011022815

harish.rattan05@gmail.com

परहेज :

1. पिता समान आयु के पुरुष से अवैध संबंध स्थापित न करें।
2. गंगा नदी में स्नान न करें।

उपाय :

1. घर पर गंगा जल से स्नान करें।
2. सूखा धनिया जल प्रवाह करें।

केतु

आपकी जन्मकुंडली में केतु दसवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आप धनवान, नौकर-चाकरों से युक्त, उत्तम सुख से परिपूर्ण तथा अपने पथ पर अग्रसर रहने वाली होंगी। आप इतने अच्छे मुकद्दर की हैं कि आप मिट्टी छुएं तो सोना हो जाता है। 24 वर्ष की उम्र के बाद संतान प्राप्ति योग होगा। आपकी कन्या संतान से सुख और पुत्र संतान से मध्यम सुख संभव है। आपको पुत्र का सुख प्राप्त होने की आशंका है। आप खेल जगत में विश्व प्रसिद्ध बन कर ख्याति प्राप्त कर सकती हैं। आपके धन में बढ़ोत्तरी होगी। निर्धनता कभी भी नहीं आएगी। आप शक्की स्वभाव की हैं। आपके जीवन में 48 वर्ष आयु तक समय तो मिला-जुला फल देगा। इसके बाद का समय बहुत ही शुभ और सुखकारक सिद्ध होगा। आपकी आर्थिक स्थिति पर कोई विशेष बुरा प्रभाव नहीं पड़ेगा। कुल मिला-जुला कर आपका जीवन सुखमय ही रहेगा।

यदि आपने अपने भाई से झगड़ा किया, परपुरुषों से अनैतिक संबंध रखे तो आपका केतु मंदा हो सकता है या किसी कारण वश केतु मंदा हो गया हो तो केतु के मंदे असर से आपका चाल-चलन ढीला हो तो पुत्रियां अधिक होने की संभावना रहती है। निःसंतान या संतान गोद लेने का योग होता है और जिससे आपको बहुत ही पीड़ा भोगनी पड़ सकती है। आपके भाई आपको गद्दे में धकेल सकते हैं या आपके धन का दुरुपयोग करेंगे। पराये पुरुष से संबंध आपके दांपत्य सुख में बाधा पहुंचा सकते हैं। आपके जीवन के लिए घातक और मौत का कारण सिद्ध हो सकते हैं। 48 वर्ष के लगभग पुत्र सुख मिले या माता/सास की आंखें खराब होने पर या माता/सास की मौत के बाद पुत्र जन्म हो ऐसी संभावना है। धन का अपव्यय या अवनति होगी।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट हैं तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. चाल-चलन ठीक रखें।
2. कुत्तों से नफरत न करें।

उपाय :

1. मकान की नींव में चांदी के बर्तन में शहद भर कर रखें।
2. घर में चांदी के बर्तन में शहद भर कर रखें।

No

No

917011022815

harish.rattan05@gmail.com

लाल किताब के अनुसार ऋण भार

कुँडली में दूषित ग्रहों के कारण जातक कई प्रकार से ऋणी होता है अर्थात् कई प्रकार के ऋण भार जातक के ऊपर रहते हैं, जिसके कारण जातक के जीवन का विकास अवरुद्ध हो जाता है। क्योंकि दूषित ग्रहों के दोषयुक्त प्रभाव से शुभ ग्रह भी अनुकूल फल देना बंद कर देते हैं। अस्तु ऋण भार से जातक को मुक्त होना चाहिए ताकि शेष जीवन पर शुभ या अच्छे ग्रहों के अच्छे प्रभाव पड़कर कुँडली के अनुसार शुभता प्राप्त हो सके। नीचे ऋण के प्रकार किस परिस्थिति में जातक पर अदृश्य ऋण पर पड़ता है तथा उसके निराकरण उद्धृत किए जाते हैं।

स्वऋण

ग्रहचाल :

जब जन्मकुंडली में खाना नंबर 5 में शुक्र या शनि या राहु या तीनों में दो या तीनों स्थित हो तो स्वऋण होता है।

निशानिया :

आपको राजभय, निर्दोष होने पर भी मुकदमें में दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। हृदय रोग, बाजुओं में दर्द, शारीरिक कमजोरी, आंखों में कष्ट, जिगर की खराबी होती है।

घटनाएं :

जातक नास्तिक हो जाता है, धर्म की उपेक्षा करता है स्वास्थ्य अनुकूल नहीं रहता, पूर्वजों के रीति-रिवाज के अनुसार नहीं चलता।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी स्वऋण से मुक्त है।

मातृऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली के चौथे खाने में केतु पड़ा हो तो मातृ ऋण का बोझ होता है।

निशानिया :

जातक का कोई सहायक नहीं होता, उसके सभी प्रयास निष्फल होते हैं। सरकारी दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। जीवन अशांत व्यतीत होता है, दूसरों की इज्जत को उछालना खेलवार करना या जूता चुराना, विद्या का लाभ न मिलना। रिश्तेदारों की बिमारियों पर धन का अपव्यय आदि अशुभ फल होते हैं।

घटनाएं :

मातृ ऋण से प्रभावित जातक माता से दुर्व्यवहार करता है। माता के सुख-दुःख का ख्याल नहीं रखता। माता से दूर रहे या माता को घर से निकाल देता है। मातृ ऋण वाले जातक

के घर के पास या घर में कुआं होगा। घर के पास जलाशय होगा। उस कुएं में गंदगी डाली जाती होगी या जलाशय को गंदा करता होगा। हो सकता है कि जातक के घर के पास नदी-नहर बहती हो। जातक उस में गंदगी डालता होगा।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी मातृऋण से मुक्त है।

पारिवारिक ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली पहले या आठवें खाने में बुध या केतु या दोनों बैठे हो तो रिश्तेदार का ऋण होता है।

निशानिया :

किसी की भैंस बच्चा देने को हो तो उसे मार देना या मरवा देना। किसी का मकान बनने या नीव खोदते समय जादू-टोना कर देना या रिश्तेदारों से मिलने-जुलने बालों से नफरत करना या बच्चों के जन्म दिन और परिवार में त्यौहार या खुशी के समय दूर रहना।

घटनाएं :

जातक मित्रों से धोखा करता है। किसी के बने-बनाए काम को बिगाड़ देता है या किसी की पकी हुई खेती को आग लगा देना।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी पारिवारिक ऋण से मुक्त है।

कन्या/बहन का ऋण

ग्रहचाल :

जातक की कुंडली में तीसरे या छठे खाने में चंद्रमा पड़ा हो तो बहन/लड़की का ऋण होता है।

निशानिया :

जवानी में धोखा देना, बहन/बेटी की हत्या या उस पर जुल्म करना। मासुम बच्चों को बेचना या लालच से बदल लेना/देना जिसका भेद दुनिया में कभी न खुले ऐसे रहस्यमय आदि काम करना।

घटनाएं :

जातक का किसी के साथ अपनी जुबान से बुरा शब्द बोलना तलवार से अधिक गहरा घाव कर सकता है, बेटा पैदा हुआ पिता को उसके धन-दौलत, आयु पर अशुभ फल होगा या माता को पता था कि वह जान से हाथ धो बैठेगी। खुशी के साथ मातम

ससुराल-ननिहाल पर अशुभ फल, वर्ष भर की कमाई का वर्षात में घाटा हो जाना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी कन्या बहन के ऋण से मुक्त है।

पितृ ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में 2 या 5 या 9 या 12 खानों में शुक्र या बुध या राहु या तीनों में दो या तीनों ही बैठे हो तो जातक पर पितृ ऋण होता है।

निशानिया :

कुल पुरोहित बदलना या कुल पुरोहित से नाता तोड़ लेना, घर के साथ बने मंदिर को तोड़ देना। पीपल का पेड़ काटना। पीपल का पेड़ होना आदि।

घटनाएं :

परिवार में किसी बुजुर्ग के बाल सफेद हो जाए। बाल सफेद होने के बाद बालों में पीलापन होना शुरू हो जाए, काली खांसी की शिकायत, हो अथवा माथे पर दुनिया की गंदी करतुतो का कलंक लगना आदि घटनाएं होती हैं।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी पितृ ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन (एक-एक या पांच-पांच या दस-दस रुपये अधिक से अधिक जितने भी रुपये दे सकें) लेकर उसी दिन मंदिर में दान कर देना आदि।

स्त्री ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में सातवें खाने में सूर्य या चंद्रमा या राहु या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हों तो स्त्री ऋण होता है।

निशानिया :

परिवारिक पेट पर लात मारना, स्त्री को बच्चा पैदा होने या बच्चा जनने की हालत में किसी लालच में आकर मार देना। दाँतो वाले जानवरों की पालने से परिवार में नफरत का उसूल चलता होगा। मकान का गेट दरवाजा दक्षिण दिशा में होना, जीव हत्या करना, मकान या मशीनरी धोखे से ले लेना, किसी की चीज हड़प लेना उसे मुंहताज कर देना आदि।

घटनाएं :

No

No

917011022815

harish.rattan05@gmail.com

नर संतान का फल मंदा हो जाता है, चमडड़ी में कोढ़, फलवहरी, गुप्तांग में रोग हो जाना, किसी का विवाह होना किसी मुर्दे को जलाना। एक स्त्री के साथ वैवाहिक संबंध टूटने लगे दूसरी स्त्री के साथ संबंध जुड़ने लगना अर्थात् दूसरा विवाह होना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी स्त्री ऋण से मुक्त है।

निर्दयी ऋण

ग्रहचाल :

जन्मकुंडली में खाना नंबर 10 या 11 में सूर्य या चंद्र या मंगल या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हो तो निर्दयी ऋण होता है।

निशानिया :

मशीन या मकान की पेशगी देकर न खरीदना, परीक्षा हाल से अकारण बाहर निकाला जाना, बड़े लोगों से अकारण झगड़े या मुकदमें लड़ना आदि।

घटनाएं :

संतान और ससुराल की असमय मृत्यु, तेल या नारियल या लकड़ी या बारदाना के गोदाम में आग लग जाना। मकान खरीदा उसमें रहना नसीब नहीं, मकान खरीदे तो उसकी सिद्धियां मुरम्मत करानी पड़े या तोड़ कर दुबारा बनानी पड़े, सांप और जहर पान की घटनाएं, हथियार से मौत होना आदि।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी निर्दयी ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई का परिवार चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन लेकर सौ अलग-अलग स्थानों की मछलियों को खाना खिलाना चाहिए।

आजन्मकृत ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में खाना नंबर 12 में सूर्य या शुक्र या दोनों इकट्ठे बैठे हो तो आजन्मकृत ऋण होता है।

निशानिया :

बिजली की तार लीक कर जाना, घर जल जाए, लाखों-करोड़ों पति कुछ ही समय में किसी भी तरह से तबाह हो जाये, सोना गुम या चोरी-छीनी-गबन की घटनाएं, सिर पर जख्म या सिर की बीमारियां, बचपन से बुढ़ापे तक नालायक साबित होना, सोच समझ कर

No

No

917011022815

harish.rattan05@gmail.com

काम करने के बावजूद गरीबी और बेसहारा, दमा-मिरगी, काली खांसी, सांस की तकलीफ, अचानक मौत, मकान की दहलीज के नीचे से गंदा पानी बहना अथवा आवासीय मकान के आगे पीछे कूड़े का ढेर या गन्दगी हो।

घटनाएं :

मुकदमें में फैसले पर नहक जुर्माना/कैद, ससुराल या दुनिया वालों की ठगी करना, या ऐसी ठगी करना जिससे दूसरे का परिवार या नौकरी-व्यापार नष्ट हो जाना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी आजन्मकृत ऋण से मुक्त है।

ईश्वरीय ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में छठे खाने में चंद्रमा हो तो ईश्वरीय ऋण होता है।

निशानिया :

कुत्ते का काटना, छत से बच्चों का गिरना या बच्चा को गाड़ी के नीचे आ जाना, कानों से बहरापन, रीढ़ की हड्डी में कष्ट, संतान पैदा न होना या होकर मर जाना, संतान सुख में बाधा, पेशाब की बिमारियां अधरंग, ननिहाल नष्ट हो जाना, यात्रा में हानि अथवा दुर्घटना हो जाना आदि।

घटनाएं :

किसी पर इतबार किया उसने धोखा दिया, कुत्तों को मारना या मरवाना, गरीब या फकीर की बददुआ लेना, बदचलनी, किसी के लड़कों को गुमराह करके बरबाद करना या करवाना, बुरी नीयत, लालच में आकर किसी का नुकसान करना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी ईश्वरीय ऋण से मुक्त है।

No

No

917011022815

harish.rattan05@gmail.com

लाल किताब वर्षफल 2025-2026

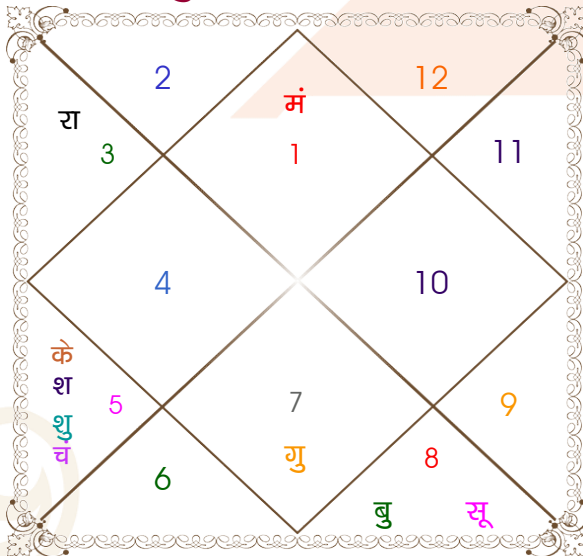
वर्तमान आयु - 19
वर्तमान दशा - गुरु

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	हाँ	--	नेक
चंद्र	--	हाँ	--	मन्दा
मंगल	--	--	--	नेक
बुध	--	हाँ	--	मन्दा
गुरु	--	--	--	मन्दा
शुक्र	--	हाँ	--	मन्दा
शनि	--	हाँ	--	मन्दा
राहु	--	हाँ	--	नेक
केतु	--	हाँ	हाँ	मन्दा

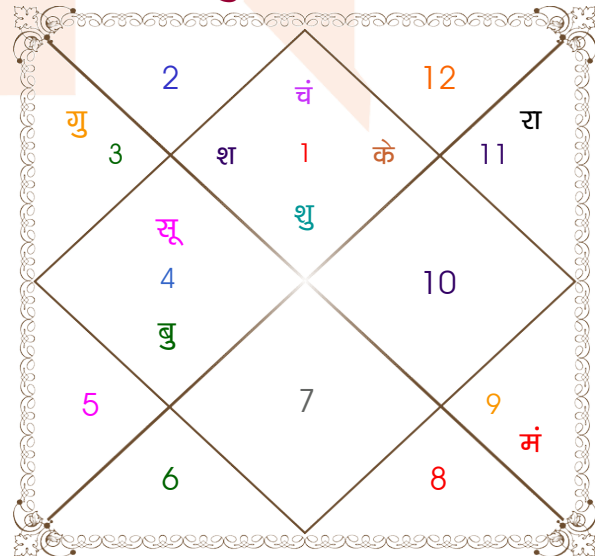
भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	--	--	--	हाँ	--	हाँ	--	--	--	हाँ	--	--

वर्ष कुंडली 2025 - 2026



वर्ष चन्द्र कुंडली 2025 - 2026



No

No

917011022815

harish.rattan05@gmail.com

लाल किताब वर्षफल 2025-2026

सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 8 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आप मृत्यु शैय्या पर पड़े किसी व्यक्ति के पास जब तक बैठी रहेंगी तब तक उसकी मृत्यु नहीं होगी। हर काम को जिम्मेदारी के साथ निभाने में प्रत्यनशील रहेंगी, स्वभाव साधु जैसा होगा। आप अपने लिये किये गये कार्यों को लोगों को समर्पित करेंगी। सच्चाई से अधिक तरक्की करेंगे।

सूर्य की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. रसोई को अपवित्र न रखें।
2. परपुरुष से अनैतिक संबंध न रखें।

चन्द्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 5 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष धार्मिक कामों या धर्म से नफरत हो सकती है, विद्या संबंधित चिंता, लालच और खुदगर्जी आपको अवनति की राह पर ला सकती है इससे बचें। अपना भेद किसी को न बतायें भेदी ही आपकी तबाही का कारण हो सकता है। कन्या संतान की चिंता या बेटी/बहन/देवरानी-जेठानी, ननद को कष्ट हो सकता है।

सूर्य की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. धार्मिक कामों में अग्रणी रहें।
2. कभी-कभार पर्वतीय क्षेत्र की यात्रा जरूर करें।

मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 1 में शुभ है जिसकी वजह से आप इस वर्ष साहसी और शूरवीर बनेंगी, बुरे व्यक्ति के साथ भी नेकी का सलूक करेंगी, बड़े बहन-भाई/देवरानी-जेठानी, ननद से लाभ मिल सकता है। दूसरे व्यक्ति द्वारा की गई नेकी को सदा याद रखेंगी। परिवार और समाज को सच्चाई और नेकी की राह पर चलने की सलाह देंगी, कंप्यूटर आदि के कामों से लाभ मिलेगा।

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. बिना मेहनत का माल, दान या गिफ्ट न लेवें।
2. हाथी दांत कायम करें।

No

No

917011022815

harish.rattan05@gmail.com

बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 8 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष जादू-टोना आदि विद्याओं में रुचि रहेगी या इनका प्रभाव रहेगा। जो आपको लाभ न देगा। अन्दर ही अन्दर गुप्त रूप से आपको शरीर कष्ट या धन हानि का सामना करना पड़ सकता है। गृहस्थ में कुछ समस्याएं उभर सकती हैं। आलस्य आपके पतन का कारण बनेगा। खराब चाल-चलन और अनैतिक सम्बन्ध हार और हानि देंगे।

बुध की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. वर्षा का पानी छत पर रखें।
2. इस वर्ष विवाह हो तो तांबे का बर्तन (गागर) मूंग साबित भरकर संकल्प करके पति/पत्नी दोनों जल प्रवाह करें। यदि विवाह हो चुका हो तो भी यह उपाय करना लाभ देगा।
3. गुदा पर सुरमा लगावें।

गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 7 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष घर में मंदिर बना कर पूजा करना धन-परिवार के लिये अशुभ होगा। घर में मंदिर हानिकारक मगर दीवार पर तस्वीरें लगा कर पूजा-पाठ कर सकती हैं। घूमने-फिरने वाले साधू की संगत से भाग्य खराब हो जाएगा और जीवन में उतार-चढ़ाव देखना पड़ेगा। मामा को संतान की चिंता रहेगी। बुरे लोगों की संगति से बचे।

गुरु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. शुद्ध सोना और रत्तियां पीले कपड़े में बांध कर रखें।
2. आप विवाहित हैं तो सुसराल से कुछ न कुछ सामान लेते रहें।

शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 5 में है जिसकी वजह से आपका मिजाज आशिकाना और आप परपुरुष पर कामुक हो सकती हैं। इस वर्ष यदि आप अविवाहित हैं तो विवाह का योग बनेगा। अतर्जातीय या माता-पिता/ससुर की इच्छा के विरुद्ध विवाह न करें वरना संतान सुख खराब हो सकता है। गर्भपात का भय रहेगा। बहन/ननद आदि के धन का आपके हाथों नुकसान हो सकता है।

शुक्र की अशुभता दूर करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. गुप्तांग दूध या दही से साफ करें।
2. गायों को चारा खिलाये।

No

No

917011022815

harish.rattan05@gmail.com

शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 5 में है जिसकी वजह से इस वर्ष आप भाई-बंधुओं के साथ लड़ाई-झगड़ा या धोखा न करें। मांस-मदिरा का सेवन करना आपको हार और हानि देगा। परिवार में समस्याएं बढ़ सकती हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें विशेष कर पेट/गुर्दे की पथरी का। आपके नाम पर अगर मकान बनेगा तो पुत्र सुख में बाधा आ सकती है।

शनि की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. शुद्ध सोना या केसर पास रखें।
2. सांप को दूध पिलायें।

राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 3 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके शत्रु आपके ऊपर हावी नहीं हो सकते, भविष्य में होने वाली घटना का आपको पहले पता चल जायेगा। आपकी कलम में तलवार से अधिक ताकत होगी, आपको उच्च पद या सम्मान प्राप्त होगा। नौकरी-व्यापार में खूब तरक्की होगी, खराब चाल-चलन से संतान की चिंता रहेगी।

राहु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. हाथी दांत पास न रखें।
2. तीन-तीन हाथी के खिलौने घर में न रखें।

केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 5 में है जिसकी वजह से इस वर्ष अगर आपका चाल-चलन खराब हुआ तो संतान को कष्ट होगा, गुर्दा रोग का भय रहेगा, श्वास या दमे का रोग उत्पन्न हो सकता है। चाल चलन ठीक रखें और दुश्चरित्र लोगों से दूर रहें वह आपके मान और सम्मान पर धब्बा लगा सकते हैं। गुरु/पिता/ससुर से झगड़ा करने हर तरफ हार व हानि होगी।

केतु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. पिता/ससुर/गुरु की सेवा करें।
2. पानी में चीनी डाल कर सूर्य को अर्घ्य दें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

- पहाड़ की सैर करें।

No

No

917011022815

harish.rattan05@gmail.com

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरु करें।)



लाल किताब वर्षफल 2026-2027

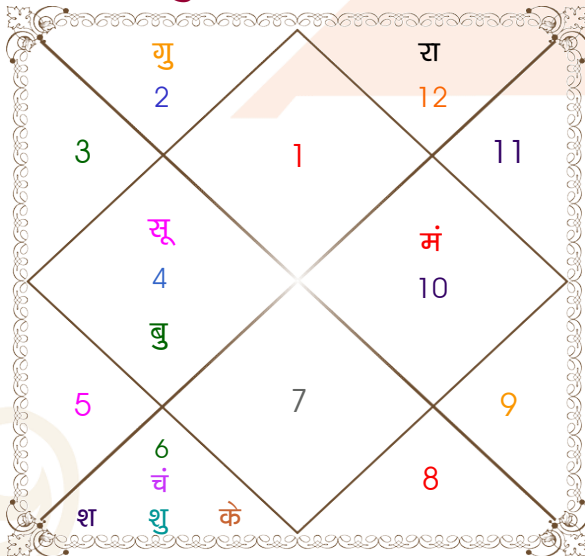
वर्तमान आयु - 20
वर्तमान दशा - गुरु

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	--	--	नेक
चंद्र	--	हाँ	--	मन्दा
मंगल	--	--	--	नेक
बुध	--	--	--	नेक
गुरु	--	--	--	नेक
शुक्र	--	हाँ	--	मन्दा
शनि	--	हाँ	--	मन्दा
राहु	--	--	--	नेक
केतु	--	हाँ	हाँ	मन्दा

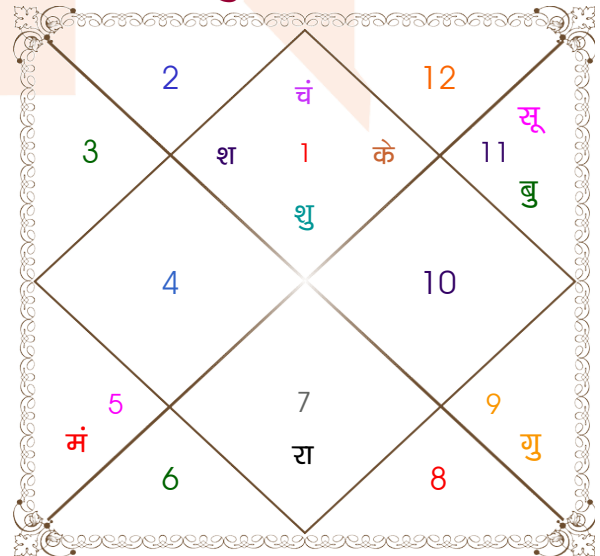
भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	हाँ	--	हाँ	--	हाँ	--	हाँ	हाँ	हाँ	--	हाँ	--

वर्ष कुंडली 2026 - 2027



वर्ष चन्द्र कुंडली 2026 - 2027



No

No

917011022815

harish.rattan05@gmail.com

लाल किताब वर्षफल 2026-2027

सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 4 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके धन का उपयोग दूसरे लोग करेंगे मगर आप उनसे लाभ भी उठावेंगे। परिवार में नये कार्य शुरू हो सकते हैं जो लाभदायक रहेंगे। वस्त्रों के काम से लाभ मिलेगा, रात्रि समय किये कार्यो से अधिक लाभ मिलेगा, सरकारी विभाग या समुद्र की यात्रा से भी लाभ मिलेगा। पिता/ससुर से झगड़ा न करें।

सूर्य की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चोरी न करें बल्कि चोरी की सोच मन में न लायें।
2. किसी भी पुरुष से झगड़ा न करें।

चन्द्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 6 में है जिसकी वजह से इस वर्ष आपकी माता/सास को शरीर कष्ट रहेगा। आपको माता की चिंता रहेगी या विद्या संबंधी परेशानी भी आ सकती है। आम जनता के लिये पानी पिलाने का या पानी का स्रोत लगाना आपको और आपकी संतान को कष्ट तथा परेशानी ही देगा। बिना सोचे-समझे किये गये कामों में आपको परेशानी उठानी पड़ सकती है, समझदारी से काम लें।

चंद्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. चंद्र ग्रहण के मध्य काल में 4 सूखे नारियल (बजने वाले) जल प्रवाह करें।
2. माता/सास को कष्ट हो तो खरगोश पालें।
3. नाश्ते में कच्चा पनीर खायें। रात्रि समय (सूर्यास्त से सूर्योदय तक) दूध न पीयें।

मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 10 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आप की गिनती उच्च/प्रतिष्ठित महिलाओं में होगी। आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। कोई सरकारी विभाग या पुलिस/सेना विभाग में कार्यरत है तो तरक्की मिलेगी नौकरी-व्यापार में अधिक धन लाभ होगा। आप राजसी समय व्यतीत करेंगी। अच्छे या बुरे तरीके से आप धन कमाएंगी, जायदाद और वाहन का सुख होगा।

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. सोना न बेचे न गिरवी रखें।

No

No

917011022815

harish.rattan05@gmail.com

2. दूध उबाल कर रसोड़ में गैस चूल्हे/ अंगीठी /चूल्हे आदि पर गिर कर न जले इसका विशेष ध्यान रखें।

बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 4 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष धन लाभ, परिवार में सभी सुखी और सुख के साधन बढ़ेंगे। कुल मिला कर राजयोग का समय है। विदेश यात्रा या विदेश से लाभ प्राप्त हो ऐसा योग है। बहन-बेटी/ननद आदि से भी लाभ हो सकता है। माता/सास से धन-जायदाद का लाभ होगा मगर मातृ सुख में कमी की आंशका रहेगी।

बुध की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. बेटी-बहन, देवरानी/जेठानी से झगड़ा न करें।
2. विधुर पुरुष से सम्बन्ध न रखें।

गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 2 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष अचानक धन लाभ मिल सकता है। आपको कुछ भी होने वाला हो उसकी खबर पहले हो जाएगी, शिआ और ज्ञान से लोगों का मार्ग दर्शन कराएंगी। आपके सभी कार्य अपने आप बनते चले जाएंगे मगर आपको व्यर्थ की चिंता रहेगी। पति और शासन या सरकारी विभाग की तरफ से लाभ मिल सकता है।

गुरु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. सर्राफी या जौहरी का काम न करें।
2. चाल चलन ठीक रखें और अनैतिक सम्बन्ध न रखें।

शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 6 में है जिसकी वजह से इस वर्ष आपकी बुद्धि भ्रमित हो सकती है। आपकी या पति के पैरों में या ऐड़ियों में दर्द, पति के साथ झगड़ा न करें। काम शक्ति में कमी या पुरुष के गुप्तांगों में रोग रह सकता है, पुत्र संतान की चिंता रहेगी। धन चोरी या गुम हो सकता है इसके पीछे किसी पुरुष का हाथ होगा। समाज में आपकी प्रतिष्ठा गिर सकती है।

शुक्र की अशुभता दूर करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. पति लाल दवाई से गुप्तांग धोएं।

No

No

917011022815

harish.rattan05@gmail.com

2. शुद्ध ठोस चांदी घर में रखें।

शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 6 में अशुभ है जिसकी वजह से आप इस वर्ष पूर्णिमा के दिन कोई नया काम न शुरू करें। कारण, इस दिन शुरू नये काम से लाभ न होगा। चमड़े का समान मुफ्त/गिफ्ट न लें। नुक्कड़ के मकान में रिहाई हो तो आपका मान-सम्मान कम होगा या अकारण बेइज्जती का कारण बनेंगे। परिवार में किसी को गुर्दे या पथरी रोग होने का भय रहेगा।

शनि की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. काले कुत्ते की सेवा/पालन करें।
2. नया जूता किसी को पहनाकर पहनें या खरीदने के 6 दिन बाद पहनें।
3. बादाम गंदे नाले में डालें।

राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 12 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपका धन शुभ कामों या विवाह आदि पर खर्च हो सकता है। यदि आप पर ऋण का बोझ हो जाये तो वह उतर जायेगा, शत्रु दबे रहेंगे। अध्यात्म विचार आपको शायद ही लाभ देंगे। अपने बलबुते पर सभी कार्य सिद्ध कर लेंगी। रात को सुख की नींद मिलेगी और सुख के साधन बढ़ेंगे।

राहु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. रसोई में बाहर बैठ कर खाना खावें।
2. घर के आंगन में धुंआ न करें।

केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 6 में है जिसकी वजह से आपका इस वर्ष सोना न बिके और न ही गुम हो, खासकर विवाह समय मिली सोने की अंगूठी। यात्रा से हानि हो ऐसी आशंका है। चमड़ी रोग का भय या पांव में कष्ट हो सकता है। फिजूल खर्च बढ़ने की संभावना है। मामा को कष्ट का भय, संतान सुख की चिंता। शत्रु अकारण उभरेंगे और उनसे हानि का भय रहेगा।

केतु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. केसर/हल्दी का तिलक करें।

No

No

917011022815

harish.rattan05@gmail.com

2. ससुराल से मिली या शुद्ध सोने की अंगूठी बांये हाथ की अनामिका अंगुली में पहनें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

- 6 दिन नाश्ते में कच्चा पनीर खावें।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरु करें।)



No

No

917011022815

harish.rattan05@gmail.com